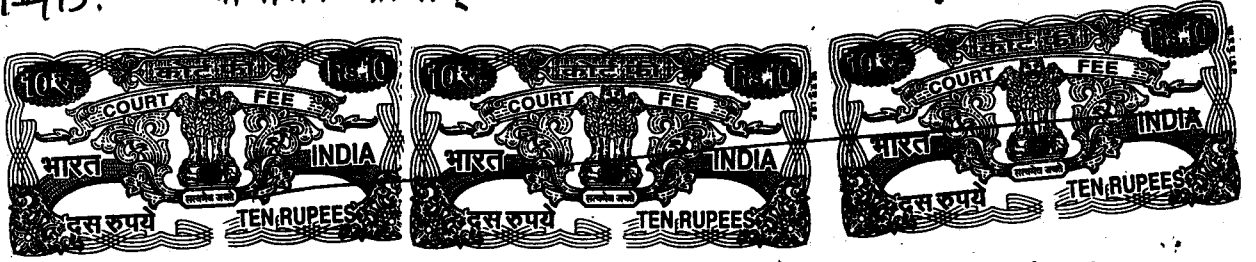


रिजिस्टर 5249/15/15

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल क्वालियर ₹ 10000 सर्किट कोर्ट-



- १११ सनत कुमार सिंह तनय श्री नागेश्वर सिंह चौहान , N-301-  
 ११२ रणबहादुर सिंह तनयश्री नागेश्वर सिंह चौहान ,  
 ११३ किय बहादुर सिंह तनय स्व० पृथ्वीराज सिंह ,  
 ११४ दानबहादुर सिंह तनय स्व० पृथ्वीराज सिंह ,  
 सभी नि० गृ० हडबडौ पत्रालय उपनी , तहसील-गोपदबनास,  
 जिला सीधी ₹ 10000

---आवेदकगण

बनाम

- १११ मार्तण्ड सिंह चौहानतनयश्री तेज प्रताप सिंह ,  
 ११२ राजराज सिंह तनय श्री तेज प्रताप सिंह चौहान,  
 ११३ राजेन्द्र बहादुर सिंह ₹ 100-03, 04, 05, 06 के पिता स्व०  
 ११४ शीलध्वज सिंह चौहान ₹ शिवनाथ सिंह चौहान,  
 ११५ व्यंकट बहादुर सिंह ₹  
 ११६ जीवेन्द्र सिंह चौहान ₹  
 ११७ जयराम सिंह तनयस्व० श्री रघुमति सिंह चौहान,  
 सभी नि० गृ० हडबडौ पत्रालय उपनी, थाना- कोतवाली,

सीधी , तहसील गोपदबनास , जिला-सीधी ₹ 10000

----- अनावेदकगण

आवेदन पत्र बाक्त् पुर्नविलोकन आदेश दि०  
 06-11-2015, निगरानी पुक० क०-अ  
 1344-स्क/12.

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 5।म०प०भ०रा०स०

मान्यवर,

पकरण के तथ्य इस प्रकार हैं :-

1...र.न. के. निशान  
 द्वारा आज दिनांक  
 प्रस्तुत किया गया

22-12-15  
 (म)  
 सीडर  
 सर्किट कोर्ट सीधी

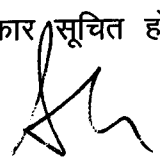
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

भाग - अ

प्रकरण क्रमांक पुनर्विलोकन 5249-दो/2015

जिल- सीधी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
01-6-2017	<p>आवेदक द्वारा यह पुनर्विलोकन आवेदन म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 के तहत निगरानी प्रकरण क्रमांक 1344-एक/2012 में पारित आदेश 06-11-2015 के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया है। आवेदक को पुनर्विलोकन आवेदन के ग्राह्यता के बिन्दु पर सुना गया।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया एवं इस न्यायालय के मूल प्रकरण का अवलोकन किया गया। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता की धारा 51 सहपठित व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 114 आदेश 47 नियम (1) में पुनर्विलोकन के लिए निम्नलिखित तीन आधारों का उल्लेख है :-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. किसी नई या महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चलना, जो सम्यक तत्परता के पश्चात् भी उस समय जब आदेश किया गया था, उस पक्षकार के ज्ञान में नहीं थी, अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकती थी; या</li> <li>2. मामले के अभिलेख से ही प्रकट कोई भूल या गलती या</li> <li>3. कोई अन्य पर्याप्त कारण</li> </ol> <p>आवेदक द्वारा तर्क के दौरान ऐसी कोई नई बात अथवा तथ्य प्रस्तुत नहीं की गई है, जो मूल निगरानी में आदेश पारित करते समय प्रस्तुत नहीं किये गये हों, न ही अभिलेख में परिलक्षित कोई त्रुटि ही बतलाई गई है। आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा इस न्यायालय में जिन तथ्यों को इंगित किया है उनका निराकरण निगरानी प्रकरण क्रमांक 1344-एक/2012 में पारित आदेश 06-11-2015 में विस्तार से आदेश पारित कर किया जा चुका है।</p> <p>2/ उपरोक्त विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में यह पुनर्विलोकन प्रथमदृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य किया जाता है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p style="text-align: center;">               ( एस0एस0 अली )              सदस्य         </p>